Gramodaya Sandesh October 2024.qxd 11/21/2024 8:22 PM Page 1

gramodayachitrakoot.ac.in

ग्रामोदय संदेश

■ रविवार, 27 अक्टूबर, 2024 ■ वर्ष 23 ■ अंक 04 ■ पेज 4 ■ मूल्य : निःशुल्क ■ वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

सुशासन के रास्ते विकास के नए आयाम तय कर रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

10 महीने में ही सुशासन की नई इबारत लिखी, बदलाव का साक्षी बना मप्र

चित्रकूट। 'सुशासन सिर्फ कहने का शब्द न हो, यह जमीन में दिखना भी चाहिए।' ऐसे विचार रखने वाले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश पिछले 10 महीनों में नई-नई घटनाओं का साक्षी बना है। महज 10 महीने के कार्यकाल में शिक्षा-दीक्षा से लेकर बौद्धिकता में बदलाव आया है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या जरूरत है। हमारे मुख्यमंत्री ने शिक्षा की सबसे बड़ी डिग्री पी-एच.डी. धारण की हुई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के इतिहास में आज तक के सबसे ज्यादा पढ़े लिखे मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री जी ने विज्ञान, समाज विज्ञान, राजनीति की पढ़ाई के साथ ही पीएचडी भी की है। आज भले वे प्रदेश के मुख्यमंत्री हों, लेकिन शिक्षा के प्रति उनका जुड़ाव पहले से ही रहा है। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में जब वे उच्च शिक्षा मंत्री थे, तब उनके नेतृत्व में मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति लागू हुई थी। मध्य प्रदेश, देश का पहला राज्य था, जहां शिक्षा नीति के प्रावधान पूर्ण तरीके से लागू हुए थे। अब जबकि वे मुख्यमंत्री हैं तो एक बात साफ है कि उनकी उच्च शिक्षा अब मध्य प्रदेश के विकास के लिए नया मील का पत्थर साबित होने वाली है। मुख्यमंत्री बनने के पहले 30 दिनों में ही उन्होंने साइबर तहसील व्यवस्था प्रारंभ करवाई। रजिस्ट्री करने के साथ ही नामांतरण हो जाने की प्रक्रिया सुशासन की पहल की परिचायक है। आम नागरिकों को इस सुशासन का लाभ भी मिल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने साइबर तहसील परियोजना की तारीफ की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य बन गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव जी ने सांस्कृतिक अभ्युत्थान की दिशा में कई काम किये हैं। उज्जैन महालोक के कई निर्माण अब गति पकड़ चुके हैं। उज्जैन सिंहस्थ 2028 के लिए अभी से कार्य शुरू हो चुके हैं। हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 मजदूरों को अधिकार दिलाना हो या पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना का समझौता हो। यह बड़े निर्णय नई सरकार ने लिए हैं। हजारों करोड़ों रुपए की सड़क परियोजनाओं को हरी झंडी मिली है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से अब तक प्रदेश को 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिलाने में कामयाबी हासिल की है। इससे प्रदेश में 3 लाख 53 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने का रास्ता साफ हो गया है। रीवा एयरपोर्ट विंध्य के विकास को नए पंख लगाने को तैयार है। डॉ. मोहन यादव जी ने 'घर से सुधार' की शुरुआत करके जनता की शाबाशी ली है। मंत्रियों का इनकम टैक्स अब सरकार नहीं भर रही है, अब स्वयं मंत्री यह भार उठा रहे हैं। पिछले दिनों उनके नेतृत्व में पेश हुए प्रदेश के बजट में शिक्षा के लिए बेहतर राशि का प्रावधान करना यह साबित करता है कि शिक्षा के प्रति उनका विशेष लगाव है। बजट में नर्मदा प्रगति पथ, बुंदेलखंड विकास पथ, अटल प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस वे और मालवा-निमाड़ विकास पथ का रोड मैप सामने आया है। यह एक्सप्रेस वे जितने जल्दी जमीन पर दिखेंगे, विकास की गति उतनी तेज होगी। स्वास्थ्य, चिकित्सा, ग्रामीण विकास, शिक्षा, जल संसाधन आदि के लिए अच्छा बजट प्रावधान किया गया है।

हमें यह भी पता होना चाहिए कि हमारे सीएम डॉ. मोहन यादव अपने मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए थे। इसके पीछे उनके पिता बाबूजी पूनम चंद यादव के संघर्षों की लंबी दास्तान थी। पिछले दिनों मुख्यमंत्री जी के पिता जी का निधन हुआ। स्व. पूनम चंद यादव का जीवन एक प्रेरणा बनकर सामने आया। पूनम चंद यादव जी ने अपने बेटे-बेटियों को अपने अथक परिश्रम और खून-पसीने से सींचकर नई प्रतिभाओं को विस्तार दिया। आज सीएम डॉ. मोहन यादव एक गौरव के रूप में हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। पूनम चंद यादव जी ने बच्चों में संस्कार कूट-कूटकर भरे थे। वर्ष 1984 का वाकया है, उज्जैन के माधव साइंस कॉलेज में छात्र संघ का शपथ विधि समारोह हुआ था, इसमें डॉ. मोहन यादव सहसचिव बनाए गए थे। सभी प्रतिनिधियों ने ब्लेजर पहनकर शपथ ली थी, लेकिन मोहन यादव यादव सिर्फ शर्ट पेंट में शपथ लेते दिखाई दिये थे। बाद में यह बात सामने आई थी कि मोहन यादव ने पिता के कहने कॉलेज में लगने वाली विवेकानंद की मूर्ति के लिए पैसे दान कर दिये थे। इस कारण वे ब्लेजर नहीं खरीद पाये थे। दान की ऐसी संस्कृति के जनक ऐसे पिता के बेटे डॉ. मोहन यादव जी हैं। मुख्यमंत्री जी ने मध्य प्रदेश के जनजातीय समाज के कल्याण के लिए कई व्यापक प्रयास किये हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जनजाति (उप योजना) के लिये 40 हजार 804 करोड़ रुपये का बजट पारित किया है। वित्त वर्ष 2023-24 से इसकी तुलना करें तो यह राशि 3,856 करोड़ रुपये (करीब 23.4 प्रतिशत) अधिक है। पेसा नियमों से एक करोड़ से अधिक जनजातीय आबादी को लाभ दिया जा रहा है। आकांक्षा योजना, आहार अनुदान योजना, रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी, विदेश अध्ययन छात्रवृति, पीएम जन मन : प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) के तहत पिछड़े, कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सर्वांगीण विकास के लिये काम किया जा रहा है।

कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा की कलम से...

शिक्षा, शोध, प्रसार, प्रशिक्षण और संसाधन सृजन पर उल्लेखनीय कार्य कर रहा विश्वविद्यालय

आठ राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं हमारे विश्वविद्यालय में

प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की चरण रज से कृत-कृत हुई चित्रकूट की पावन भूमि। प्रदेश में नित नये कीर्तिमान स्थापित करने वाले यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास, धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री धर्मेंद्र लोधी जी, नगरीय विकास एवं आवास विभाग राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी जी, सतना लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद माननीय गणेश सिंह जी, चित्रकूट के लोकप्रिय विधायक मा. सुरेन्द्र सिंह गहरवार जी, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन जी, अतिथिगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, मीडिया के बंधुओं, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी गण एवं प्रिय विद्यार्थियों। श्रद्धेय नानाजी के परिश्रम, प्रयास और पुरुषार्थ से आलोकित, ग्राम-विद्या की राजधानी, देश के पहले ग्रामीण विश्वविद्यालय में, आपके आगमन से आज विश्वविद्यालय हर्षित है, आल्हादित है, आनंदित है। ग्रामोदय परिवार अभिवादन, अभिनंदन स्वीकार करें। इस सुरम्य ग्रामांचल में त्रेतायुग में वनवासी बन्धुओं ने जिस भाव से प्रभु राम का वंदन किया था, वही भाव आज हृदय में है। विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों की विकास धारा निरंतर प्रवाहमान, गतिमान है। विश्वविद्यालय की गतिविधियों के प्रमुख चार आयाम हैं- शिक्षा, शोध, प्रसार एवं प्रशिक्षण। इस परंपरागत आयामों में एक और आयाम जुड़ा है- संसाधन सृजन। मुझे यह बताने पर संतोष की अनुभूति हो रही है कि विश्वविद्यालय इन सभी आयामों पर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इस सत्र में रिकॉर्ड प्रवेश संख्या में वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय में 8 राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत है, यहां सिक्किम राज्य से भी विद्यार्थी हैं। 65 से अधिक छात्रों का ग्रामीण कृषि अधिकारी की परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षा में सफल हुए तथा चयन हुआ है। शिक्षा, संस्कृति और मूल्यों से विद्यार्थी को अर्थपूर्ण रूप से जोड़ने, भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराने, विश्वविद्यालय मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व का विशिष्ट पाठ्यक्रम संचालित हैं। नानाजी युगानुकूल सामाजिक पुनर्रचना के पक्षधर थे। विश्वविद्यालय उसी चिंतन को आत्मसात कर आगे बढ़ रहा है। युगानुकूल शिक्षा के माध्यम से प्रदेश और देश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय सतत् पाठ्यक्रमों का संचालन और परिमार्जन करता रहा है इस क्रम में इंटीग्रेटेड बी.एड. (साइंस, आर्ट, कामर्स धारा), का संचालन सत्र 2023-24 से कर रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित पाठ्यक्रम का संचालन, युवाओं की उड़ान को पर देने एविएशन पाठ्यक्रम, ग्रामोपयोगी ड्रोन टेक्नॉलॉजी के पाठ्यक्रम भी शीघ्र प्रारम्भ किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में 05 संकाय एवं 16 विभागों के अन्तर्गत कला, कृषि, प्रबन्धन, अभियांत्रिकी एवं विज्ञान से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में अध्यापन किया जा रहा है। नानाजी के आजीवन आरोग्य के चिंतन को साकार रूप देने के लिए बी.ए.एम.एस. पाठ्यक्रम की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत समाजकार्य के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम प्रदेश के सभी 313 विकासखंडों, 10 संभाग में और सभी 55 जिलों में संचालित हैं। सतत् विकास के लक्ष्य को केन्द्र में रखकर गांव को सामाजिक प्रयोगशाला मानकर व्यावहारिक शिक्षण, प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण नेतृत्व क्षमता के विकास के इस अनूठे पाठ्यक्रम में 50000 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बने इस दृष्टि से उच्च शिक्षा के आलोक को घर-घर पहुंचाने के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रमों का संचालन विश्वविद्यालय कर रहा है। भारतीयता और भारतीय चिंतन परम्परा के विविध आयामों पर व्यावहारिक शोध कार्य, कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र कार्यशील है। जिसमें फूड प्रोसेसिंग, आयुर्वेदिक औषधि निर्माण जैसे विषयों में प्रशिक्षण दिया जाता है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प नारी, युवा, किसान और गरीब के चार अमृत स्तंभों पर टिका है और इनके सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का संकल्प पूर्ण होगा। मुझे यह उल्लेख करते हुये प्रसन्नता हो रही है, कि विश्वविद्यालय इन चारों आयामों पर अपना योगदान दे रहा है। विश्वविद्यालय के समस्त प्रयासों का लक्ष्य यही है कि विश्वविद्यालय के शिल्पकार श्रद्धेय नानाजी को हम सब ऐसा विश्वविद्यालय अर्पित कर सकें, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। विश्वविद्यालय की वेगवान प्रवाहमान यात्रा में बंधक यहां कि आर्थिक चुनौतियां हैं। किन्तु वर्तमान आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए आर्थिक संबल आवश्यक है। जिसके लिए प्रदेश शासन का सहयोग आवश्यकता ही नहीं अनिवार्यता है। जिस ऊर्जा से यह विश्वविद्यालय तीन दशकों से अलोकित रहा उसका शेष जीवन अभावों में न बीते इस हेतु पेंशन योजना इस विश्वविद्यालय के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। आज ग्रामोदय परिवार निश्चिंत है, क्योंकि वह जानता है कि मंच पर विराजे हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी विश्वविद्यालय की चिंताओं और चुनौतियों से अपरिचित नहीं है और कृपापूर्वक समाधान भी यथाशीघ्र मिलेगा यह हमें पूर्ण विश्वास है। मैं कृपापूर्वक पधारे माननीय मुख्यमंत्री जी, उनके मंत्रिमंडल के सदस्यगण, सांसद जी, विधायक जी के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। मैं पुनः एकबार आप सबका स्वागत करते हुए अपेक्षा करता हूं कि आपका स्नेह एवं आशीर्वाद विश्वविद्यालय को सदैव की भांति प्राप्त होता रहेगा और आपके सप्रयास से विश्वविद्यालय की समस्याओं का समाधान होगा। मैं, उपस्थित मीडिया प्रतिनिधि, शासन प्रशासन के प्रतिनिधिगण एवं समस्त महानुभावों का हृदय से कृतज्ञ हूं, जिनकी उपस्थिति गरिमा वृद्धि हुई है। पुनश्चः आप सबका आभार...भारत माता की जय।

भारतीय ज्ञान परंपरा और एनईपी टास्क फोर्स की उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हुए कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा

उच्च शिक्षा में उपयोगी नवाचार के लिए प्रतिबद्धता लेकर बढ़ रहे आगे...

चित्रकूट। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्राा 22 अक्टूब 2024 को भोपाल में 'भारतीय ज्ञान परम्परा शीर्ष समिति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 टॉस्क फोर्स' की बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। गुणवत्ता बनाए रखते हुए इसे और भी श्रेष्ठ बनाने के प्रयास किए जाएं। वर्ष 2021-22 में प्रदेश का सकल पंजीयन अनुपात 28.9 है जो राष्ट्रीय स्तर के सकल पंजीयन अनुपात 28.4 से अधिक है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में उपयोगी नवाचार जारी रखकर शिक्षा स्तर को ज्यादा बेहतर बनाने के प्रयास हों। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, टास्क फोर्स सदस्य अतुल कोठारी, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, आयुक्त एवं सचिव उच्च शिक्षा श्री निशांत वरवड़े और समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। इस अवसर पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा भी बैठक में मौजूद रहे। उन्होंने उच्च शिक्षा में उपयोगी नवाचार के लिए ग्रामोदय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्ध जताई।

जनअभियान परिषद के समन्वयकों के उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा–

समाज सुधार, विकास और जन–कल्याण के लिए आगे आएं युवा

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से संचालित हो रहा सीएमसीएलडीपी

चित्रकूट, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जन अभियान परिषद जन-जन के कल्याण के लिए समर्पित है। स्वैच्छिक, सामूहिक और सामुदायिक सहभागिता से स्वावलंबन के दृष्टिकोण से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अनिल माधव दवे ने प्रत्येक प्रदेशवासी को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से परिषद के गठन की प्रेरणा दी थी। सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर समाज भी चले इस उद्देश्य से जन अभियान परिषद को एक कड़ी के रूप में विकसित किया गया। शासकीय योजनाओं को जन-जन तक ले जाने में जन अभियान परिषद उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। परिषद भू-जल भण्डारण सहित समाज कल्याण और विकास गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समन्वय भवन में 19 अक्टूबर 2024 को समृद्धि योजना अंतर्गत समग्र ग्राम विकास के विभिन्न आयाम विषय पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा राज्य, संभाग और जिला स्तरीय समन्वयकों के उन्मुखीकरण सह-प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला, वरिष्ठ अधिकारी महेश चौधरी, परिषद के कार्यपालक निदेशक धीरेंद्र पांडे सहित संभाग, जिला और विकासखंड स्तर के समन्वयक भी शामिल हुए। आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने संस्कृति में आ रही विकृतियों से संघर्ष के कई प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए। साथ ही कंस रूपी बुराई से संघर्ष के लिए स्त्री-पुरुषों के साथ बच्चों को भी संगठित कर समाज की संगठन क्षमता और जन-कल्याण के लिए उसके सार्थक उपयोग का संदेश दिया। यह दर्शाता है कि संगठन की शक्ति से बड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। भगवान कृष्ण ने गांव और सामान्य जन से प्रेम का संदेश दिया। डॉ. यादव ने कहा कि भारत का मूल स्वरूप गावों में ही विद्यमान है। ग्राम स्तर पर व्यवस्थाओं को सशक्त करने की आवश्यकता है और इस दिशा में परिषद के कार्य सराहनीय हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ग्राम स्तर पर जल संरक्षण, नवकरणीय ऊर्जा, दुग्ध उत्पादन, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन, ग्रामीणों की आय में वृद्धि के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गतिविधियां जारी हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम और लक्ष्मण का उदाहरण देते हुए कहा कि युवाओं को समाज सुधार, विकास और जन-कल्याण के लिए आगे आना होगा। डॉ. यादव ने कहा कि भारत का मूल स्वरूप गावों में ही विद्यमान है। आपको बता दें कि सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम ग्रामोदय विश्वविद्यालय और जनअभियान परिषद संचालित करते हैं।

युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित कर रहा परिषद : मोहन नागर

परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि भारत की आत्मा ग्रामों में बसती है। समाज को समरस सामुदायिक और संगठित नेतृत्व प्रदान करने के लिए जन अभियान परिषद प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक महिला सरपंच का उदाहरण देते हुए कहा कि सीएमसीएलडीपी कोर्स करके एक महिला सरपंच बन और अब वह पंचायत का नेतृत्व कर रही है।

निष्ठा से काम करके सफलता हासिल होती है : महेश चौधरी

मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी महेश चौधरी ने कहा कि जनता के साथ संवाहक का ब्रिज के रूप में जन अभियान परिषद कम कर रहा है। आप सभी समन्वयकों को निष्ठा के साथ काम करना होता है, जहां निष्ठा होती है वहां सफलता मिलना तय होता है।

पढ़ाई के बाद ग्राम विकास में अपना योगदान दे रहे हैं युवा : डॉ. धीरेंद्र पांडे

परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेंद्र पांडे ने कहा कि जन अभियान परिषद निचले स्तर पर क्षमता संवर्धन और स्वावलंबी नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। युवा पढ़ाई के बाद ग्राम विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। अब गांवों में विकास का नया मॉडल सामने आ रहा है।

पढ़ाई के साथ सामाजिक प्रयोगशाला तैयार : डॉ. वीरेंद्र व्यास

परिषद के निदेशक डॉ. वीरेंद्र व्यास ने कहा कि परिषद और महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सहयोग से चल रहे सीएमसीएलडीपी में करीब 50 हजार विद्यार्थी जुड़े हुए हैं। इतनी संख्या में तो किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश भी नहीं होते हैं। डॉ. व्यास ने कहा कि पढ़ाई के साथ ही नेतृत्व विकास के लिए एक गांव देकर सामाजिक प्रयोगशाला तैयार की जा रही है।

ग्राम दर्शन परिसर : गांवों के विकास और विश्वविद्यालय का ड्रीम प्रोजेक्ट

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में ग्राम दर्शन की परिकल्पना, कुलगुरु प्रोफेसर भरत मिश्र का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार नवाचार प्रकल्प में प्रस्तुत किया गया है। इस ग्राम दर्शन में यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि ग्रामीण परिवेश में रहने वाला परिवार, जिसमें एक किसान का परिवार किस तरह जीवन यापन करता है? उनके रहने का स्थान कैसा होता है?

गांवों में चारा काटते हुई महिलाएं, हल जोतता हुआ किसान, कुएं से पानी भरती हुई पनिहारिन। इसके अलावा उनके दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुएं जो ग्रामीण परिजन परिजन इस्तेमाल करते हैं, उन सभी का प्रदर्शन यहां ग्राम दर्शन में किया गया है। यह हमारी विरासत हैं। वर्तमान में जो वस्तुएं लुप्तप्राय होती जा रही हैं, उन्हें ग्राम दर्शन में दिखाया गया है। इसी तरह हमारे विलुप्त होते हुए वाद्ययंत्र हैं, जो अतिप्राचीन काल से प्रचलित हैं, जिनका स्वरूप अब बदल चुका है। ऐसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन ग्राम दर्शन के परिसर में किया है।

Gramodaya Sandesh October 2024.qxd 11/21/2024 8:23 PM Page 4

ग्रामोदय विश्वविद्यालय से सीएम डॉ. मोहन यादव का है पुराना नाता...

चित्रकूट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से दिल का नाता है। वे पूर्व में भी कई मौकों पर विश्वविद्यालय पहुंचे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री बनने के बाद जब वे यहां आते तो विद्यार्थियों को उनका स्नेह मिलता था। मुख्यमंत्री बनने के बाद 16 जनवरी 2024 का दिन महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक बना था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय सभागार में श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक की अध्यक्षता की थी। जब मुख्यमंत्री जी ग्रामोदय विश्वविद्यालय पहुंचे तो वहां के विद्यार्थी, शिक्षक सभी के बीच उत्साह का माहौल दिखाई दिया था।

गौरवपूर्ण ढंग से मना दीक्षांत, 26 पी-एच.डी., 32 उत्कृष्ट पदक, 1 नानाजी मेडल, 438 स्नातक और 335 स्नात्कोत्तर विद्यार्थियों को मिली उपाधि

समृद्धि के शिखर पर माता-पिता, समाज और देश को न भूलें : मंगु भाई पटेल

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह ,16 अक्टूबर 2024 को विश्वविद्यालय के दीक्षांत प्रांगण में परम्परागत गरिमा और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष, मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल ने 26 छात्रों को शोध उपाधि व 32 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों पदक और 01 विद्यार्थी को नानाजी मेडल मंच से प्रदान किया।

समारोह के मुख्य अतिथि और प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. भरत मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन और प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कुलगुरू ने उपाधि धारकों को दीक्षांत शपथ भी दिलाई। दीक्षांत शोभायात्रा का नेतृत्व

उपाधि और पदक के साथ नानाजी के आदर्शों को भी साथ ले जाएं : इंदर सिंह परमार

कुलसचिव नीरजा नामदेव ने किया, जिसमें विद्यापरिषद और प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों के साथ सभी संकायों के अधिष्ठाता सहभागी रहे।

कुलाधिपति श्री मंगु भाई पटेल ने उपाधि धारकों से कहा कि हमें ऐसा कोई काम नहीं करना है जिससे समाज या राष्ट्र का अहित हो। समृद्धि और सफलता के शिखर पर पहुंच कर समृद्धि के शिखर पर माता-पिता, समाज और देश को न भूलें।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि उपाधि और पदक के साथ नानाजी के आदर्शों को भी साथ ले जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हमें भारतीयता से अनुप्राणित शिक्षा व्यवस्था दी है। मुझे प्रसन्नता है कि मध्य प्रदेश ने इसे समग्रता

ग्राम दर्शन हमारे लिए प्रदर्शन नहीं आत्मदर्शन है : प्रो. भरत मिश्रा, कुलगुरु

से लागू करने में सफलता प्राप्त की है। जिसमें ग्रामोदय विश्वविद्यालय का भी महत्वपूर्ण स्थान है। कुलगुरू प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा, शोध, प्रसार और प्रशिक्षण के परम्परागत आयामों के साथ-साथ संसाधन सृजन का नया आयाम जुडा है। विश्वविद्यालय ने तीन दशकों की अपनी उपलब्धि पूर्ण यात्रा में इन सभी आयामों पर महत्वपूर्ण काम किया है।।रतरत्न श्री नानाजी देशमुख की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग्राम दर्शन का लोकार्पण : इस परिसर में प्रवेश के साथ ही राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की थीम पर आधारित ग्रामदर्शन प्रकल्प और कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र 'महर्षि पाराशर भवन' का लोकार्पण किया।

प्रकाशक : कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश। संपादक : डॉ. जयप्रकाश शुक्ल।